पाठ 16. अनमोल उपहार

पाठ का परिचय

विजयनगर राज्य में राजा कृष्णदेव राय का जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा था। सभी अतिथि व दरबारियों ने राजा को कीमती उपहार देने आरंभ किए। दरबार में उपस्थित एक दरबारी का ध्यान तेनालीराम की अनुपस्थिति पर गया। वह उसकी इस अनुपस्थिति का लाभ उठाना चाहता था। उसने राजा से कहा कि कल शाम वह तेनाली से मिला था और वह जानता है कि तेनालीराम आज यहाँ इसलिए नहीं आया क्योंकि आपके लिए उपहार लाने के लिए उसे व्यय करना पड़ेगा। यह सुन राजा क्रोधित हुए। थोड़ी ही देर में एक बड़े से बक्से के साथ तेनालीराम शाही दरबार में उपस्थित हुआ। राजा ने अपना क्रोध जताया। तेनालीराम समझ गया कि दरबारियों ने राजा को भड़काया है। तेनालीराम ने उपहार का बक्सा राजा के सामने रखते हुए कहा कि मैं आपके लिए मूल्यवान उपहार लेने गया था इसीलिए देर हो गई। जब राजा ने बक्सा खोलकर देखा तो उसमें से एक गमला निकला। गमले में तीन रंगों के फूलों वाला एक पौधा था। राजा प्रसन्न हो गए। वह जब पहाड़पुर शिकार खेलने गए थे तब यह पौधा उन्होंने वहाँ देखा था और उन्हें बहुत पसंद आया था। तेनालीराम के द्वारा दिया गया यह उपहार उन्हें बहुत पसंद आया। उस उपहार को राजा ने अपने सिंहासन के पास वाली छोटी मेज़ पर रख दिया। सभी ईर्ष्यालु दरबारी यह देखते ही रह गए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

बुद्धि के बल पर बड़ी से बड़ी समस्या को हल किया जा सकता है। जो चतुराई और बुद्धि बल से कार्य करता है उसे कोई नहीं हरा सकता।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका पूरे हाव-भाव के साथ पाठ पढ़कर सुनाएँ। एक-एक अंश सुनाने के बाद उस अंश पर आधारित प्रश्न पूछें, जैसे – राजा का नाम क्या था? विजयनगर में क्या हो रहा था? निर्धनों और ब्राह्मणों को क्या दिया जा रहा था? राजदरबार में क्या कार्यक्रम चल रहा था।? बच्चों से एक-एक अनुच्छेद का वाचन करवाएँ। वाचन के दौरान उनके उच्चारण एवं पठन-शैली पर विशेष ध्यान दें। संवादों को पढ़ाते समय वाणी के उतार-चढ़ाव पर भी ध्यान दें।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें –

- तेनालीराम की कोई अन्य कथा पढ़ी है?
- क्या वे उस कथा को कक्षा में सुना सकते हैं?
- तेनालीराम उन्हें कैसा लगता है?
- क्या बुद्धि के बल पर किसी को भी हराया जा सकता है?
- तेनालीराम की विशेषताओं के बारे में बताओ।
- ऐसा ही कोई दूसरा चरित्र है जो बच्चों को प्रिय है?